भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3187
दिनांक 21 दिसम्बर, 2023

पीएमयूवाई लाभार्थियों द्वारा एलपीजी का उपभोग

3187. श्रीमती रमा देवी :
श्री अजय कुमार मंडल :
श्री सुनील कुमार पिन्टू:
श्री रमेश चन्द्र कौशिक:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बिहार के काराकाट, सीतामढ़ी, शिवहर और भागलपुर संसदीय क्षेत्रों, झारखंड के सिंहभूम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और हरियाणा के सोनीपत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के अंतर्गत एलपीजी कनेक्शन रखने वाले परिवारों की संख्या कितनी है;

(ख) वर्तमान में कितने परिवार अपने एलपीजी गैस सिलेंडरों को रीफिल करवा रहे हैं और अपने एलपीजी कनेक्शनों का उपयोग कर रहे हैं;

(ग) क्या योजना की शरुआत के बाद से पीएमयूवाई लाभार्थियों द्वारा एलपीजी की कम खपत हुई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) और (ख): पूरे देश में गरीब परिवारों को स्वच्छ रसोई ईंधन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मई, 2016 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) शुरू की गई थी। पीएमयूवाई के तहत निर्धारित मानदंडों के अनुसार गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध करवाए जाते हैं। दिनांक 30.09.2023 की स्थिति के अनुसार 9.59 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन हैं और वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 8.41 करोड़ लाभार्थी कम से कम एक रीफिल ले चुके हैं। उन जिलों में जारी किए गए एलपीजी कनेक्शनों के ब्यौरे अनुलग्नक में दिए गए हैं जो बिहार के काराकट, सीतामढ़ी, शिवहर, भागलपुर संसदीय निर्वचन क्षेत्रों, झारखंड के सिंहभूम संसदीय निर्वचन क्षेत्र और हरियाणा के सोनीपत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा हैं।

(ग) और (घ): परिवारों द्वारा घरेलू एलपीजी की खपत खान पान की आदतों, परिवार का आकार, खाना पकाने की आदतों, मूल्य और वैकल्पिक ईंधनों की उपलब्धता आदि जैसे अनेक घटकों पर निर्भर करती है। पीएमयूवाई लाभार्थियों के बीच एलपीजी के इस्तेमाल को बढ़ाने के उद्देश्य से तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) ने पूरे देश में एलपीजी पंचायतों, सोशल मीडिया अभियानों, कनेक्शनों के वितरण हेतु सार्वजनिक समारोहों तथा जन जागरूकता अभियानों आदि का आयोजन किया है। सरकार ने एलपीजी की खपत को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, जिनमें वर्ष 2022-2023 और 2023-24 के लिए पीएमयूवाई लाभार्थियों को अधिकतम 12 रीफिल/प्रति वर्ष के लिए प्रति 14.2 किलोग्राम रीफिल पर 200/- रुपए की निर्धारित राजसहायता, अक्तूबर, 2023 से प्रतिवर्ष अधिकतम 12 रीफिल के लिए निर्धारित राजसहायता बढ़ाकर 300 रुपए प्रति 14.2 कि.ग्रा. सिलिंडर करना, 5 किलोग्राम डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) का विकल्प, 14.2 कि.ग्रा. वाले सिलेंडर को 5 कि.ग्रा. के सिलिंडर में बदलने का विकल्प, अप्रैल, 2020 से दिसंबर, 2020 तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत पीएमयूवाई लाभार्थियों को अधिकतम 3 निशुल्क रीफिल दिया जाना आदि शामिल हैं। रीफिल बुकिंग में आसानी के लिए अनेक साधन अर्थात इंटरएक्टिव वाइस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस), शॉर्ट मैसेज सर्विस (एसएमएस), वॉट्सएप बुकिंग, वितरक के फोन पर सीधे फोन करना, ई-कामर्स प्लेटफा र्स, ओएमसी मोबाइल एप्लीकेशन, ओएमसीज वैब पोर्टल्स आदि उपलब्ध करवाए गए हैं। पीएमयूवाई लाभार्थियों की प्रति व्यक्ति खपत वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 3.01 रीफिल्स/वर्ष (14.2 कि.ग्रा. रीफिल्स की संख्या के लिहाज से) से बढ़ कर, वित्त वर्ष 2022-23 में 3.71 रीफिल्स/वर्ष और आगे वर्ष 2023-24 (अक्तूबर 2023 तक) में 3.8 रीफिल्स हो गई है। पिछले 3 वष अर्थात वित्त वर्ष 2020-21, 2021-22 और 2022-23 में पीएमयूवाई उपभोक्ताओं द्वारा कुल 100.85 करोड़ रीफिल लिए गए थे।

****

अनुलग्नक

"पीएमयूवाई लाभार्थियों द्वारा एलपीजी का उपभोग" के बारे में दिनांक 21.12.2023 **को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या** 3187 **के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक**

राज्य	**जिला**	**पीएमयूवाई कनेक्शनों की सख्या (दिनांक** 30.09.2023 **की स्थिति के अनुसार)**
बिहार	औरंगाबाद (बीएच)	2,12,176
	भागलपुर	3,55,888
	पुरबचम्पारण	6,04,885
	रोहतास	2,67,193
	शिवहर	1,20,285
	सीतामढ़ी	3,73,386
झारखंड	पश्चिमी सिंहभूम	1,74,308
	सरायकेला -खरसावां	1,17,606
हरियाणा	जींद	36,410
	सोनीपत	35,521

स्रोत: उद्योग आधार पर इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड

*****